



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

12  
26/11/88

सं. 401]  
No. 401]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 22, 1988/आषाढ़ 31, 1910  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 22, 1988/ASADHA 31, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल मूलतः परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1988

अधिसूचनाएं

(वाणिज्य पोत परिवहन)

सा.का.मि. 808(अ) :- केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356B की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 अक्टूबर, 1988 को, इस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको धारा 356B के उपबन्ध प्रवृत्त होंगे।

[सं. एस. डब्ल्यू./5-एम.एस.आर. (11)/84-एम/ए]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT  
(Shipping Wing)

New Delhi, the 22nd July, 1988

NOTIFICATIONS  
(MERCHANT SHIPPING)

G. S. R. 808 (E) :- In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 356A of the

Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby appoints the 1st day of Oct., 1988, as the date on which the provisions of section 356M shall come into force.

[No. SW/5-MSR (11) /84-MA]

सा.का.मि. 809(अ) :- केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356 B के साथ पठित धारा 356 B द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (तेल प्रदूषण उपकरण का उद्घाटन) नियम, 1988 है।

(2) ये (राजपत्र में प्रकाशन) की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :- इन नियमों में, जब तक शब्दों से अन्यथा अपेक्षित न हों,—

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है,

(ख) "उपकरण" से अधिनियम की धारा 356B की उपधारा (1) में उल्लिखित तेल प्रदूषण उपकरण अभिप्रेत है,

(ग) "अधिकारी" से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1608 का 15) के अर्थ के अन्वयत महापत्तन के संबंध में उसका संरक्षक तथा भारत में के महत्वपूर्ण और सब पत्तनों के तंत्र में ऐसे पत्तनों का पत्तन अधिकारी अभिप्रेत है,

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध कोई भी अनुसूची अभिप्रेत है।

3. उपकर का उद्ग्रहण और संग्रहण :—

(1) 1 अक्टूबर, 1988 से भारत में हर पत्तन पर झुपेरा के रूप में तेल बहन करने वाले पोत पर प्रति टन तेल की बाबत पचास पैसे की दर से उपकर तब उद्ग्रहीत किया जाएगा जब—

(क) भारत में किसी पोत द्वारा खुले स्थोरा के रूप में आयात किया गया हो, और

(ख) भारत में किसी स्थान से किसी पोत के खुले स्थोरा के रूप में आयात किया गया हो।

(2) उपकर, यथास्थिति, तेल के निष्कासन या तेल के लवण के आरम्भ करने से पूर्व पोत के मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता द्वारा अधिकारी को वेव होगा।

(3) उपकर, क्रम चैक द्वारा अधिकारी के नाम से पाने वाले खाते में संदत किया जाएगा जो, केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिवारित बसुली खाते यदि हो, कोई का कटौती करने के पश्चात् उसे सात दिन के भीतर पी ए ओ (एम एच), नई दिल्ली के नाम डिमांड ड्रफ्ट द्वारा राजस्व भाग्य एम एच "0045—जितों और सेवाओं पर अन्य कर एवं शुल्क-112—उपकर एवं अन्य अधिनियमों से भाग्य" खाते में जमा कराया जाएगा।

(4) अधिकारी द्वारा प्राप्त उपकर के हर संवाध के लिए अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्ररूप में रसीद जारी की जाएगी।

4. संवाध के लिए वायित्व के संबंध में विवादों का अधवधारणा /— यदि किसी पोत की बाबत इन नियमों के अधीन संवाध के लिए शोधव राशि के संबंध में या ऐसे राशि के संवाध के लिए वायित्व के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो विवाद करने वाले पक्षों में से किसी एक द्वारा आवेदन करने पर, विपक्ष की सुनवाई के पश्चात् नौवहन महाविदेशक द्वारा विवाद पर विनिश्चय किया जाएगा और उनका विनिश्चय दोनों पक्षकारों के लिए अविरोधकर होगा।

5. लेखों का अनुरक्षण :—संगृहीत उपकर की उचित गणना के लिए वह अधिकारी जो उपकर संग्रह करता है, अनुसूची II में विनिर्दिष्ट प्ररूप में रीतित लेखा का अनुरक्षण करेगा तथा उसे नौवहन महाविदेशक को हर कलैण्डर वर्ष की समाप्ति में 30 दिन के भीतर प्रस्तुत करेगा।

अनुसूची-I

प्राप्ति का प्ररूप

[नियम 3 (4)]

1. (क) पोत का नाम  
(ख) टनमात्र  
(ग) स्थोरा के रूप में तेल की मीटरी टनों में मात्रा
2. पत्तन जिस पर तेल प्रदूषण उपकर संदत किया गया।
3. पत्तन जिस पर पोत ने स्थोरा के रूप में तेल का निष्कासन या लदान किया है।
4. संदत राशि : शब्दों में-----  
: अंकों में-----

5 वह तारीख जिसकी राशि संवाध हुई।

6 वह तारीख जिसको राशि वास्तविक रूप में संदत की गई थी।

7 पोत के मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता की ओर से संवाध करने वाले व्यक्ति का नाम और पता।

अधिकारी के हस्ताक्षर  
नियम 3 के उपनियम (2)  
के प्राधिकृत अधिकारी

तारीख :-----

अनुसूची II

वर्ष :----- के लिए रीतित लेखा

(नियम 5)

(क) वर्ष के दौरान संवाध के लिए शोधव तेल प्रदूषण उपकर

(ख) वास्तविक रूप में संगृहीत तेल प्रदूषण उपकर

(ग) पोत का नाम

(घ) बसुली वर्ष

(ङ) प्रकीर्ण व्यय, यदि कोई हो,

(च) खाता शीर्ष से----- में उपकर की राशि जमा की

अधिकारी के हस्ताक्षर

नियम 3 के उपनियम (2) के  
अधीन प्राधिकृत अधिकारी

तारीख :

[सं. एस. डब्ल्यू. 5—एच. एस. एम. (1)/86. एम. ए.]

राम स्नेही, धनर सचिव

G. S. R. 809 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 356O read with section 356M of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

#### 1. Short title and commencement

(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Levy of Oil Pollution Cess) Rules 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

#### 2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(b) "cess" means the Oil Pollution Cess referred to in sub-section (1) of section 356M of the Act;

(c) "officer" in relation to a major port within the meaning of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) means the conservator thereof and in relation to intermediate and minor ports in India, the Port Officer of such ports;

- (d) "Schedule" means any of the Schedule annexed to these rules.

### 3. Levy and collection of cess—

- (1) With effect from the 1st day of Oct., 1988 there shall be levied and collected at every port in India, on a ship which carries oil as cargo, a cess at the rate of fifty paise in respect of each tonne of oil—

(a) imported by a ship into India in bulk as a cargo, and

(b) shipped from any place in India in bulk as a cargo of a ship.

- (2) The cess shall be payable to the officer by the master, owner or agent of a ship before commencement of discharge of oil or, as the case may be, loading of oil.

- (3) The cess shall be paid by cheque crossed account payee in favour of the officer, who shall, after deduction of cost of collection, if any, determined by the Central Government, deposit the same within seven days through a Demand Draft in favour of Pay & AO (NH), New Delhi, for credit to the revenue receipt M. H. "0045 Other Taxes and Duties on commodities & Services, 112—Receipt from cesses and other Acts".

- (4) For every payment of the cess received by the officer, there shall be issued a receipt in the form specified in Schedule I.

### 4. Determination of disputes as to the Liability for payment :—

If any dispute arises as to the amounts due for payment under these rules in respect of any ship or as to the liability for payment of such amount, the dispute shall, on an application made by either of the disputing parties, be decided by the Director General of Shipping after giving a hearing to the opposite party, and his decision shall be binding on both the parties.

5. Maintenance of accounts :—For the proper accounting of the cess collected, the officer whose duty it is to collect the cess, shall maintain proforma account in the form specified in Schedule II and submit to the Director General of Shipping annually within 30 days from the closure of each calendar year.

## SCHEDULE I

### FORM OF RECEIPT

[Rule 3 (4) ]

1. (a) Name of the ship
- (b) Tonnage
- (c) Quantity of oil as cargo in metric tonnes.
2. Port at which Oil Pollution Cess has been paid.
3. Port at which ship has discharged or loaded oil as cargo.
4. Amount paid : in words : \_\_\_\_\_  
in figures Rs. : \_\_\_\_\_
5. Date on which amount become payable.
6. Date on which amount was actually paid.
7. Name and address of the person making payment on behalf of the master, owner or agent of the ship.

Date :

Signature of the Officer  
Officer authorised under  
sub-rule (2) of rule 3.

## SCHEDULE II

### PROFORMA ACCOUNT FOR THE YEAR.....

(rule 5)

- (a) Oil Pollution Cess due for payment during the year.
- (b) Oil Pollution Cess actually collected.
- (c) Name of the ship.....
- (d) Cost of collection.
- (e) Miscellaneous expenditure, if any.
- (f) Amount of cess, credited to the Head of Account No. ....

Signature of the Officer.  
Officer authorised under sub-rule (2)  
of rule 3.

[No. SW/5-MSR (1)/86-MA]  
RAM SANEHI, Under Secy.